#IIMConvocation आईआईएम के कॉन्वेकेशन में बोले एनएसई के सीईओ

इनोवेशन के लिए ट्रेडिशनल और मॉडर्न नॉलेज दोनों जरूरी: चौहान

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

रायपुर. हमारे यहां तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय थे। इन दोनों विवि में दुनियाभर के छात्र शिक्षा ग्रहण करने आते थे। पीढ़ी दर पीढ़ी भारतीयों ने अपने पारंपरिक ज्ञान के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं की परंपराओं और ज्ञान को इस शताब्दी में आत्मसात किया। यह कहा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी और सीईओ आशीष चौहान ने। वे सोमवार को नवा रायपुर स्थित आईआईएम के दीक्षांत समारोह में बतौर चीफ गेस्ट बोल रहे थे। आगे कहा, मैं कहूंगा कि छात्रों को चाहिए कि वे परंपरागत के साथ-साथ आधुनिक ज्ञान की भी जानकारी रखें ताकि ये इनोवेशन के काम आ सके।

डिग्री और मेडल मिलने की खुशी में आईआईएम कैंपस में स्टूडेंट्स ने कुछ इस तरह खुशियां मनाई।

233 पीजीपी, 172 ईपीजीपी को डिग्री

अतिथियों ने 17 एक्सचेंज ग्रेजुएट, 233 पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के ग्रेजुएट, 21 पीजीपीएमडब्ल्यूई के ग्रेजुएट, 172 ईपीजीपी के ग्रेजुएट और मैनेजमेंट रेज्युट में 2 एग्जीक्यूटिव फेलो प्रोग्राम के छात्रों को डिग्री और मेडल दिए। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) के लिए अदिति जोशी ने बीओजी अध्यक्ष का गोल्ड, करंबेलकर श्वेता राहुल ने डायरेक्टर का गोल्ड मेडल प्राप्त किया। आयुष कुमार ने पीजीपी अध्यक्ष का और हर्षित जैन ने ओवलऑल परफॉर्मेंस के लिए मेडल प्राप्त किया।

पहले मैनेजर की जॉब, फिर पढ़ाई

हर्षित जैन ने बताया, मैंने ऑपरेशन मैनेजर के तौर पर काम किया है। ग्रो के लिए मैंने एमबीए को चुना। बतौर प्रोग्राम मैनेजर मैंने एक कंपनी ज्वाइन की है जहां मेरा सालाना पैकेज 20 लाख रुपए है। डिसीजन लेना बहुत डिफिकल्ट होता है, ऐसे में दोस्त और बड़ों से मिलकर सलाह लेनी चाहिए।

नौवारी साड़ी पहन पहुंचीं प्रगति

प्रगति पटेल ने नौवारी साड़ी पहन डिग्री लेने पहुंची। इसलिए वे सबसे अलग दिखाई दे रही थी। प्रगति ने बताया कि यह साड़ी उनकी मम्मी ने पहनाई है। नौवारी साड़ी को काष्ठा साड़ी या लुगाडे भी कहा जाता है। यह एक विशिष्ट पारंपरिक पहनावा है जिसका अर्थ नौ गज होता है। आमतौर पर शादियों या औपचारिक समारोह में पहनी जाने वाली इस साड़ी को ड्रेपिंग पैटर्न से अलग दिखाने के धोती स्टाइल में पहना जाता है।ये सूती, रेशम और साटन फैब्रिक में उपलब्ध होती हैं।

मेडल और डिग्री देते हुए प्रो. काकानी, श्यामला गोपीनाथ और आशीष चौहान।

Patrika, 25th April, 2023, P.01(Zoom)